MPA

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए.

जुलाई 2012 और जनवरी 2013 सत्र के सत्रीय कार्य

(एम.ए. द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110 068

एम.ए. द्वितीय वर्ष (लोक प्रशासन)

प्रिय छात्र/छात्राओ,

कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक-एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए) करना होगा।

सत्रीय कार्यों को हल करने से पहले कृपया अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें। यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द-सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजना होता है।

टिप्पणीः इस पुस्तिका में एम.ए. द्वितीय वर्ष में उपलब्ध सभी छह पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य शामिल हैं किंतु आपको केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य करने होंगे, जिन्हें आपने अपने द्वितीय वर्ष में लिया है। हालाँकि यह कार्यक्रम अभी केवल अंग्रेज़ी माध्यम में ही उपलब्ध है, किंतु आप अपने सत्रीय कार्य हिंदी में लिखकर जमा करा सकते हैं और अपनी सत्रांत परीक्षा भी हिंदी में दे सकते हैं।

आपसे अनुरोध है कि आप सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा करा दें ताकि आप सत्रांत परीक्षा दे सकें।

सत्रीय कार्य संख्या	*प्रस्तुति की तिथि*	*किसे भेजें*
एम.पी.ए-015, एम.पी.ए-016, एम.पी.ए-017, एम.पी.ए-018, एम.एस.ओ-002 और एम.पी.एस-003 का सत्रीय कार्य (टी.एम.ए)	जुलाई 2012 सत्र के लिए 31 मार्च 2013 जनवरी 2013 सत्र के लिए 30 सितंबर 2013	अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में बताई गई हर प्रकार की श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

1) ***योजना*** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) ***संगठन*** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह देख लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और

   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए आप सही-सही उत्तर लिखें।

3) ***प्रस्तुतिकरण*** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। ***उत्तर साफ-साफ हस्तलिपि में लिखें।*** जिन बिंदुओं पर आप ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. ई.वायुनंदन
और
प्रो. अलका धमेजा
कार्यक्रम संयोजक
एम.ए. (लोक प्रशासन)

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए-015 : लोक नीति और विश्लेषण
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-015
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-015/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2012-13

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. नीति विज्ञान के महत्व और नीति चक्र की विभिन्न अवस्थाओं की चर्चा कीजिए।
2. नीति विज्ञान के अध्ययन में लॉसवेल के योगदान का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।
3. नीति निर्माण में अंतःसरकारी संबंधों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।
4. "नागरिक समाज संगठनों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे नीति निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँ।" टिप्पणी कीजिए।
5. भारतीय लोक नीति में वर्तमान प्रतिमान परिवर्तन (paradigm shift) की चर्चा कीजिए और लोक नीति निरूपण में प्रमुख व्यवरोधों का उल्लेख कीजिए।

भाग-II

6. नीति कार्यान्वयन में पाद-शीर्ष दृष्टिकोण और शीर्ष-पाद दृष्टिकोण का मूल्यांकन कीजिए तथा अनेक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता का औचित्य सिद्ध कीजिए।
7. नीति मॉनीटरिंग की प्रक्रिया की चर्चा कीजिए और प्रभावी मॉनीटरिंग के लिए उपाय सुझाइए।
8. न्यायिक निकायों की भूमिका के विशेष संदर्भ में नीति वितरण के तरीकों का वर्णन कीजिए।
9. "इष्टतमीकरण मॉडलों की तुलना में अनुकरण मॉडल ज्यादा उपयुक्त है।" इस कथन का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
10. भारत की दूरसंचार नीति का मूल्यांकन कीजिए।

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए-016 : विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-016
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-016/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2012-13

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के संवैधानिक आयामों का विवेचन कीजिए।

2. सशक्तिकरण क्या है? भारत में सशक्तिकरण के लिए किए गए विभिन्न प्रकार के प्रयासों की चर्चा कीजिए।

3. विकेंद्रित विकास के घटकों से आगे चलकर विकास के लाभों का समान वितरण कैसे होता है?

4. "विशिष्ट और एकल कार्य वाले अभिकरणों ने स्थानीय शासन की आत्मा को खत्म किया है।" चर्चा कीजिए।

5. स्थानीय शासन के उद्देश्यों को प्राप्त में विकेंद्रित विकास के प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

भाग-II

6. स्थानीय शासन के बारे में विभिन्न समितियों की महत्वपूर्ण सिफारिशों की चर्चा कीजिए।

7. "ग्यारहवीं अनुसूची का अध्ययन बताता है कि स्थानीय निकायों को प्रमुख दायित्व सौंपे गए हैं।" चर्चा कीजिए।

8. लघु-स्तरीय योजनाओं के महत्व और मुद्दों का वर्णन कीजिए।

9. स्थानीय शासन में जन-भागीदारी के तौर-तरीकों पर प्रकाश डालिए।

10. सतत विकास को परिभाषित कीजिए और सतत विकास एवं शासन के बीच अंतर्संबंध का उल्लेख कीजिए।

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए-017 : ई-गवर्नेंस
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-017
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-017/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2012-13

पूर्णांकः 50

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्न करने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग-I

1. ई-गवर्नेंस की अवधारणा और मॉडलों की चर्चा कीजिए।
2. "सूचना और संचार प्रौद्योगिकी ने परंपरागत प्रशासन को परिष्कृत और इलेक्ट्रॉनिक प्रशासन में रूपांतरित किया है।" चर्चा कीजिए।
3. कृषि संबंधी विकास में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका का वर्णन कीजिए।
4. आंध्र प्रदेश में ई-पंचायत परियोजना के विभिन्न मॉड्यूलों का विवेचन कीजिए।
5. "सूचना और संचार प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों ने विद्यार्थियों के लिए आभासी अध्ययन परिवेश संभव किया है।" व्याख्या कीजिए।

भाग-II

6. ई-कॉमर्स के लाभ और हानियों की चर्चा कीजिए।
7. भारतीय रेलवे में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग की चर्चा कीजिए।
8. "विशाखापट्टनम की सौकार्यम परियोजना ने नागरिकों को निर्बाध सेवाएँ उपलब्ध कराई हैं।" टिप्पणी कीजिए।
9. सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 ने "जानने का अधिकार" और "भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार" को बनाए रखा है।" औचित्य सिद्ध कीजिए।
10. भारत में ई-शासन के प्रभावी कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण अंतरालों का विवेचन कीजिए।

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए-018 : आपदा प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-018
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-018/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2012-13

पूर्णांकः 50

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 400-400 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग-I

1. आपदा को परिभाषित कीजिए और भारत में प्राकृतिक आपदाओं का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
2. पर्वतीय क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन पर एक टिप्पणी लिखिए।
3. आपदा प्रबंधन के प्रति अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।
4. "जोखिम सहभाजन और हस्तांतरण द्वारा आपदा समुत्थान शक्ति का निर्माण होता है।" चर्चा कीजिए।
5. आपदा न्यूनीकरण को परिभाषित कीजिए और इसके प्रमुख समस्या-क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए।

भाग-II

6. मालगोदाम और माल अधिसंचयन संबंधी प्रमुख आवश्यकताओं की चर्चा कीजिए।
7. "राहत वितरण कई चरणों के जरिए सम्पन्न किया जाता है।" चर्चा कीजिए।
8. आपात् प्रचालन केंद्र की संगठनात्मक व्यवस्था पर एक टिप्पणी लिखिए।
9. क्षति आकलन को परिभाषित कीजिए और इसकी विशेषताओं की चर्चा कीजिए।
10. प्रथम अनुक्रिया के तर्क के आधार को परिभाषित कीजिए और प्रथम अनुक्रियाकर्ता के रूप में सामान्य लोगों की भूमिका की चर्चा कीजिए।

,e-,l-vk-&002 % 'kks/k i)fr;k¡ vkSj dk;Zfof/k;k¡

v/;kid tkp l=h; dk;Z
¼Vh-,e-,-½

vf/kdre vad % 100 ikB~;Øe dksM % ,e-,l-vk-&002
vf/kHkkfjrk % 30% l=h; dk;Z dksM % ,e,lvk&002@,-,l-Vh-@Vh-,e-,-@2012&13

nksuksa Hkkxksa ds iz'uksa ds mÙkj nhft,A

Hkkx d

fuEufyf[kr iz'uksa esa ls fdUgha nks ds mÙkj nhft,A

1. प्रघटनाशास्त्र क्या है? प्रघटना को समझने के लिए मार्टिन हेडेगर के योगदान को स्पष्ट कीजिए। 25
2. प्रत्यक्षवाद क्या है? गिड्डेन्स की प्रत्यक्षवाद की समीक्षा की चर्चा कीजिए। 25
3. तुलनात्मक विधि का वर्णन कीजिए। सामाजिक विज्ञान शोध में इसके क्षेत्र–विस्तार (scope) की चर्चा कीजिए। 25
4. सामाजिक शोध में सहभागितापरक उपागम की चर्चा कीजिए। परंपरागत शोध पद्धति के साथ इसकी तुलना एवं इनके बीच के अंतर को स्पष्ट कीजिए। 25
5. सामाजिक विज्ञान शोध में नारीवादी विधि की प्रकृति एवं क्षेत्र विस्तार की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 25

Hkkx [k

fuEufyf[kr esa ls fdlh ,d ij yxHkx 3000 'kCnksa esa 'kks/k fjiksVZ fyf[k,A

1. भारत में परिवार संरचना और पारिवारिक संबंधों में परिवर्तन 50
2. शिक्षा के लोकतंत्रीकरण में मुक्त एवं दूर शिक्षा का महत्व 50
3. समाजशास्त्रीय शोध में विश्लेषण की परिमाणात्मक विधि की प्रासंगिकता 50

आप इस रिपोर्ट को असाहित्य की समीक्षा या विश्लेषण प्राथमिक स्रोतों से एकत्रित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं। साहित्य की समीक्षा के लिए आपको अपनी पसंद की किसी चुनी हुई वि"k;वस्तु पर हाल ही में प्रकाशित किन्हीं दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। समीक्षा लेख लिखते समय अध्ययन की अवस्थिति, अनुसरणीय कार्यपद्धति और इन अध्ययनों के मुख्य निष्कर्षों को ध्यान में रखें।

प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययनों को एकत्र कर, तुलनात्मक ढाँचे में चयनित विषयवस्तु पर रिपोर्ट लिखनी है। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्दे'यों एवं समस्याओं को खोल कर स्पष्ट करें और

- मुद्दे को मौजूदा/उपलब्ध साहित्य के दायरे में समस्या का रूप दें;
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणाम को ठोस रूप से स्पष्ट करें, और
- उचित विचारणीय बिंदुओं (referencing) का उल्लेख अंत में करें।

,e-ih-,l-&003 % Hkkjr % ykdra= ,oa fodkl
l=h; dk;Z
¼v/;kid tkap l=h; dk;Z½

ikB;Øe dksM% ,e-ih-,l-003
l=h; dk;Z dksM % ,e-ih-,l-003@,-,l-,l-Vh-@Vh-,e-,-@2012&2013
iw.kkZad% 100

;g l=h; dk;Z esa [k.M & I vkSj [k.M & II gSA ÁR;sd [k.M esa ikap Á'u gSA vkidks dqy ikap Á'u djus gS] fdUrq ÁR;sd [k.M esa ls de ls de nks Á'uksa dk p;u vfuok;Z gSA ÁR;sd Á'u ds mÙkj dh 'kCn&lhek 500 'kCn gS vkSj ÁR;sd Á'u 20 vadks dk gSA

[k.M & I

1. भारत में संघीय व्यवस्था के कार्यों की चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित विषयों में से प्रत्येक की लगभग 250 शब्दों में आलोचनात्मक व्याख्या कीजिएः

   क) प्रक्रियात्मक और वास्तविक लोकतंत्र के बीच अंतर
   ख) लोकतंत्र के लिए विकास का महत्व

3. भारत में राष्ट्र–राज्य की मुख्य जातिगत चुनौतियों की चर्चा कीजिए।

4. भारत में नौकरशाही, पुलिस और सेना के बीच संबंधों का विश्लेषण कीजिए।

5. भारतीय लोकतंत्र में दबाव समूहों की भूमिका की चर्चा कीजिए।

[k.M & II

6. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणी कीजिएः

   क) पहचान का अर्थ
   ख) भारतीय राजनीति में जाति

7. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणी कीजिएः

   क) भारतीय लोकतंत्र में नागरिक समाज की भूमिका
   ख) सतत् विकास

8. लोकतंत्र के वास्तविक और प्रक्रियात्मक पक्षों की चर्चा कीजिए।

9. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणी कीजिएः

   क) 1950 के दशक के दौरान क्षेत्रवाद
   ख) लिंग और विकास के बीच संबंध

10. भारत में क्षेत्रवाद के आर्थिक परिणामों की चर्चा कीजिए।